Daily Gospel Reflections in Hindi

15 September 2019

मत्ति 4 : 12 - 17

Repent, the Kingdom of God is at hand

संत मत्ति, येसू को, योहन के सुसमाचार के जैसे संसार की ज्योति के रूप में परिचय नही कराते हैं फिर भी आज ईसायास नवी के शब्दों को आज दुहाराते है कि मसीह के आगमन ऐसी एक अवस्था है जहाँ पर अंधकार में रहने वाले लोग प्रकाश पायेंगे। सुसमाचार के बचनों से हम जान पायेंगे कि हर एक येसू शिष्य को ही ज्योति का वहन करना है।

आज के वचन नबियों की भविष्यवाणियों की पूर्तिकरण को हमारे सामने रखते है। जिस मार्ग पर चलने के लिए नबियों ने आवाहन किया था जैसे कि पश्चाताप का मार्ग।

योहन उस मार्ग को दोहराते है। आज के सुसमाचार में योहन की गिरफ्तारी के बाद येसू मसीह भी कह रहा है कि पश्चाताप करो स्वर्गराज निकट आ गया है।

पश्चाताप का मतलब ऐसा भी होता है कि पिता ईश्वर का आज्ञापालन, पिता ईश्वर पर अटूट भरोसा।

दैनिक जीनव की बुराइयों को छोड़कर वापिस धार्मिकता पर आना। आइये हम पश्चाताप करें।

Rev. Fr. Santo Pullan

©Rights Reserved. Commission for Social Communications, Diocese of Sagar 2019